

बंसी बजाने वाले पहले क्यों प्रीत लगाई भजन लिरिक्स



बंसी बजाने वाले,
पहले क्यों प्रीत लगाई,
बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई,
जरा बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई।

तर्ज – दुनिया बनाने वाले।

दिलबर हमारा तुमसे,
नाता पुराना,
नाता पुराना लेकिन,
तुमने ना जाना,
अच्छा नहीं है मोहन,
आँखे चुराना,
आँखे चुराना और,
हमको सताना,
छोड़ो बहाने मोहन,
दीनो की तुमको दुहाई,
बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई,
जरा बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई।

कैसे निकलोगे मोहन,
दीनो के दिल से,
दिल में बिठाया तुम्हे,
बड़ी मुश्किल से,
माना तुम्हे अब,
फुर्सत नहीं है,
लेकिन इस दिल में,
अब उल्फत नहीं है,
मालुम नहीं था मुझको,
निकलोगे तुम हरजाई,
बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई,
जरा बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई।

कितना था सुन्दर मोहन,
धोखा तुम्हारा,
बंसी बजा के लुटा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



घायल बनाया तूने,
बांकी अदा से,
दीवाना 'बनवारी',
तेरा सदा से,
तुम ही बताओ मोहन,
कैसे सहेंगे जुदाई,
Bhajan Diary Lyrics,
बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई,
जरा बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई।

बंसी बजाने वाले,
पहले क्यों प्रीत लगाई,
बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई,
जरा बोलो ना कृष्ण कन्हैयाई।

Singer – Vinod Sharma
